

प्रेषक,

के०सी०मिश्र,  
अपर सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

अधिशाली अधिकारी  
सम्बन्धित नगर पंचायत, उत्तरांचल  
(संलग्न सूची के अनुसार)।

वित्त अनुभाग-१

देहरादून :: दिनांक : 12 अक्टूबर, 2004

**विषय:—राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में नगरपंचायतों को से धनराशि का संक्रमण (तृतीय तिमाही हेतु)।**

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रथम राज्य वित्त आयोग, उत्तरांचल की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार प्रदेश की 31 नगरपंचायतों को संलग्न विवरण के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 हेतु रु० 12678 हजार (रु० एक करोड़ छब्बीस लाख अठहत्तर हजार मात्र) की धनराशि संक्रमित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

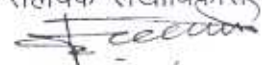
2— उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संक्रमित की जा रही है:—

(1) नगर पंचायतों को कुल देय वार्षिक धनराशि से 30 प्रतिशत अंश रोका गया है जो प्रतिवेदन के प्रस्तर 21.5 के अन्तर्गत प्रस्तर 22.5 व 22.6 के अनुसार राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति की संस्तुति पर अवमुक्त किया जायेगा। शेष 70 प्रतिशत अंश को 4 समान तिमाही किश्तों में अवमुक्त किया जायेगा। तदनुसार तृतीय किश्त अवमुक्त की जा रही है।

(2) संक्रमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जायेगा। संक्रमित की जा रही धनराशि का उपयोग केवल उसी प्रयोजन हेतु किया जाएगा जिसके लिए संक्रमित की गई है। इस धनराशि से व्यावर्तन / समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।

(3) नगर विकास विभाग संक्रमित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि का बाउचर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।

(4) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी / वित्त नियंत्रक / मुख्य / वरिष्ठ / लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी



स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।

3- लेखा परीक्षा शुल्क की पंचायतों पर अवशेष शुल्क को 3 समान किश्तों में सम्बंधित निकाय को संक्रमित की जाने वाली धनराशि से काट कर लेखा परीक्षा निदेशालय को भुगतान करने का निर्णय लिया गया है। तदनुसार प्रथम किश्त के रूप में संलग्नक के कालम संख्या-4 में काटी गई धनराशि दर्शायी गई है।

4- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक -3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन- आयोजनेत्तर-01-नगरीय स्थानीय निकाय-193-नगरपंचायतें/ नोटीफाइट एरिया/ कमेटी आदि-03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करों से समनुदेशन-00-20-सहायक अनुदान/ अंशदान/ राज्य सहायता के नामें डाला जायेगा।

संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय,

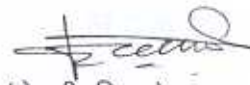
(के०सी० मिश्र )  
अपर सचिव (वित्त)।

संख्या- **930** (1)/वि०अनु०-1/2004 तददिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तरांचल।
- 3- निदेशक शहरी स्थानीय निकाय, निदेशालय, देहरादून।
- 4- समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 5- निदेशक, कोषागार, वित्त सेवायें, देहरादून।
- 6- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तरांचल।
- 7- विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो।
- 8- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल।
- 9- एन० आई०सी० सचिवालय, उत्तरांचल, देहरादून।

आज्ञा से,

  
(के०सी० मिश्र )  
अपर सचिव (वित्त)।

(1)  
शासनादेश संख्या:- 930/वि० अनु०-1/2004 दिनांक:- 12 अक्टूबर, 2004 का संलग्नक

क्र० सं०	नगर पंचायत का नाम	प्रस्तावित आवंटन की धनराशि	(धनराशि हजार में)	
			लेखा परीक्षा शुल्क की काटी गई धनराशि	आवंटित धनराशि
1	2	3	4	5
-	बड़कोट	400	0	400
-	गंगोत्री	40	0	40
-	बद्रीनाथ	55	0	55
-	केदारनाथ	31	0	31
-	नन्दप्रयाग	328	5	323
-	कर्णप्रयाग	458	15	443
-	रूद्रप्रयाग	656	9	647
-	गोचर	479	18	461
-	मुनिकीरेती	431	4	427
0-	कीर्तिनगर	328	36	292
1-	देवप्रयाग	328	0	328
2-	चम्बा	431	5	426
3-	डोईवाला	440	0	440
4-	हरबर्टपुर	505	0	505
5-	कालाढुंगी	335	0	335
6-	भीमताल	321	2	319
7-	लालकुआँ	357	2	355
8-	दिनेशपुर	484	13	471
9-	सुल्तानपुर	422	5	417
0-	केलाखेड़ा	425	3	422
1-	शक्तीगढ़	261	0	261
2-	महुआडाबरा	334	0	334
3-	महुआखेड़ागंज	484	13	471
4-	द्वाराहाट	328	0	328
5-	डीडीहाट	329	5	324
6-	धारचूला	421	0	421
-	चम्पावत	656	0	656
-	लोहाघाट	381	2	379
-	झबरेड़ा	513	0	513
-	लण्डोरा	876	19	857
-	लक्सर	997	0	997
-	योग:-	12834	156	12678

50 एक करोड़ छब्बीस लाख अठ्ठत्तर हजार मात्र)



(के०सी० मिश्र)  
अपर सचिव, वित्त।  
उत्तरांचल शासन।